गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में जोनल यूथ फेस्टिवल का आगाज, पहले दिन टोटल 14 कंपीटिशन करवाए गए

खालसा कॉलेज भंगड़े में जीता, एपीजे पेंटिंग, कोलाज मेकिंग समेत 11 कंपीटिशन में फर्स्ट

एजुकेशन रिपोर्टर | जालंधर

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में वीरवार को यूथ फेस्टिवल का आगाज हुआ। पहले दिन टोटल 14 कंपीटिशन हुए, जिनकी शुरुआत लोकनाच भंगड़े से हुई। लायलपुर खालसा कॉलेज भंगड़े में फर्स्ट रहा तो एपीजे कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स टोटल 11 आइटम में फर्स्ट रहा।

एपीजे कॉलेज ग्रुप सॉन्ग इंडियन, ग्रुप शबद भजन, वार सिंगिंग, पेंटिंग ऑन दि स्पॉट और कोलाज मेकिंग, मॉडलिंग, ऑन दि स्पॉट फोटोग्राफी, कार्टूनिंग, इंस्टालेशन, मिमिक्री और कॉस्टयूम परेड में फर्स्ट रहा। कविश्री व पोस्टर मेकिंग में सेकेंड और कॉलेज भंगड़ा में थर्ड रहा। लायलपुर खालसा कॉलेज कोएड की टीम भंगड़े में फर्स्ट रही। वहीं, ग्रुप रॉन्ग इंडियन, ग्रुप शबद, में कोलाज मेकिंग, क्ले मॉडलिंग और वार सिंगिंग में सेकेंड रहा। कविश्री में थर्ड, ऑन दि स्पॉट पेंटिंग में थर्ड, मिमिक्री और कार्टूनिंग में थर्ड रहा।

पहले दिन एपीजे कॉलेज, लायलपुर खालसा कॉलेज और एचएमवी कॉलेज के बीच मुकाबला रहा

यूथ फेस्टिवल के पहले दिन के कंपीटिशन की शुरुआत पंजाब के लोकनाच भंगड़े से की गई। -भास्कर

एपीजे कॉलेज ने किया लीड, खालसा कॉलेज रहा सेकेंड

पहले दिन के रिजल्ट को देखें तो एपीजे कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स 14 में से 11 आइटम में फर्स्ट रहा है। यानी कि पहले दिन एपीजे जीत की ओर बढ़ता हुआ दिखा। लायलपुर खालसा कॉलेज भी कड़ी टक्कर देते हुए सेकेंड पोजिशन मेंटेन किए रहा। एपीजे कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सुचरिता शर्मा ने विजेताओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि बच्चों ने इस दिन के लिए बहुत मेहनत की है। वहीं खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. गुरपिंद्र सिंह समरा ने कहा कि स्टूडेंट्स की मेहनत रंग लाई है और यकीन है कि वो आगे और बेहतर परफॉर्म करेंगे। एचएमवी कॉलेज ने भी विभिन्न आइटम्स से पोजिशन हासिल की और पहले दिन तीसरे नंबर पर रहा।

आज होंगे माइम, स्किट और रंगोली कंपीटिशन

शुक्रवार को माइम, स्किट, फोक ऑर्केस्ट्रा, क्लासिकल परकशन, गीत गजल, फोक सॉन्ग, रंगोली, फुलकारी कंपीटिशन होंगे। वन एक्ट प्ले शुरू हो जाएंगे, जोकि शनिवार को भी जारी रहेंगे। मुकाबला एपीजे कॉलेज फाइन आर्ट्स, खालसा कॉलेज और एचएमवी के बीच ही पहले दिन नजर आया। कौन जीतेगा दूसरे दिन के कंपीटिशन तय करने में काफी मददगार होंगे।

ऑन द स्पॉट जजमेंट से भी पहले दिन नहीं बदली जीत की तस्वीर

इस साल जीएनडीयू ने एक नियम बदला। पहले यूथ फेस्टिवल में एक दिन के सारे कंपीटिशन की जजमेंट आखिरी कंपीटिशन के बाद सुनाई जाती थी। इस बार हर आइटम के बाद रिजल्ट खुद जजेस ने डिक्लेयर किए। यह भी बताया कि जीतने वाला क्यों जीता और हारने वाले की परफॉर्मेंस में क्या कमियां रह गई थी। लेकिन जिस कारण से यह नियम वीसी डॉ. जसपाल सिंह संधु से कहकर लाया गया, उस मामले में कुछ ज्यादा बदलाव नहीं आया। पहले दिन उसी एपीजे कॉलेज ने लीड किया जोकि 16 बार यूथ फेस्टिवल का विनर रह चुका है। वहीं एक बार एपीजे को हराकर फ्रेम में आने वाला लायलपुर खालसा कॉलेज दूसरे नंबर पर रहा। दरअसल कुछ प्रिंसिपलों का मानना था कि आखिर में रिजल्ट बताने पर मैन्यूप्लेशन के चांसेस बढ़ जाते हैं, इसलिए हर आइटम के बाद ही रिजल्ट डिक्लेयर हों। हर यूथ फेस्टिवल में दबी जबान में ही जीतने वालों पर आरोप लगते रहे हैं कि रिजल्ट में हेराफेरी होती है, मैन्यूप्लेशन होता है। इसलिए हर आइटम के बाद रिजल्ट डिक्लेयर करने की डिमांड की ताकि रिजल्ट प्रभावित न हो। इसके बाद भी हमेशा जीतने वाले एपीजे ने ही लीड किया।